भारत सरकार

वित्त मंत्रालय

वित्तीय सेवाएं विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2273

जिसका उत्तर सोमवार, 9 दिसंबर, 2024/18 अग्रहायण, 1946 (शक) को दिया गया

बैंकिंग पहुंच और समावेशन

2273. **श्रीमति डी. के. अरुणा:**

श्री इटेला राजेंद्रः

क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने संपूर्ण देश में बैंकिंग पहुंच और वित्तीय समावेशन को और बढ़ाने के लिए क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों (आरआरबी) और प्रायोजक बैंकों से राष्ट्रीय एमएसएमई क्लस्टर आउटरीच कार्यक्रम के भाग के रूप में एमएसएमई क्लस्टरों के साथ सहयोग करके उपयुक्त उत्पाद विकसित करने का आग्रह किया है;

(ख) क्या सरकार ने आरआरबी के अध्यक्षों और प्रायोजक बैंकों के सीईओ के साथ समीक्षा बैठकें की हैं और यदि हां, तो इसका क्या परिणाम रहा;

(ग) क्या सरकार का कपड़ा, काष्ठ के उपस्कर, चमड़ा, आदि जैसे विभिन्न क्षेत्रों में लघु और सूक्ष्म उद्योगों को ऋण मिलना सुनिश्चित करने के लिए एमएसएमई क्लस्टरों में स्थित आरआरबी शाखाओं द्वारा सक्रिय आउटरीच पर जोर देने का विचार है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा और वर्तमान स्थिति क्या है?

उत्तर

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री पंकज चौधरी)

(क) से (घ): सरकार क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों, संबंधित प्रायोजक बैंकों, राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण बैंक (नाबार्ड) तथा भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी) के अध्यक्षों के साथ राष्ट्रीय स्तर के साथ-साथ क्षेत्रीय स्तर पर क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों (आरआरबी) की प्रगति की निरंतर समीक्षा करती रही है।

इन समीक्षाओं के केंद्र बिंदुओं में से एक एमएसएमई क्षेत्र में ऋण बढ़ाकर व्यवसाय का विविधीकरण करना है। अधिकांश आरआरबी ने अपने न्वोन्मेषी एमएसएमई उत्पादों को तैयार किया है और एमएसएमई क्षेत्रों में अपनी निवेश को बढ़ाने के लिए विशिष्ट एमएसएमई समूहों के साथ अपनी शाखाओं को मैप किया है। आरआरबी ने अपने एमएसएमई पोर्टफोलियो के अंतर्गत वित्त वर्ष 2022-2023 के दौरान 18.6% और वित्त वर्ष 2023-2024 के दौरान 17.0% की ठोस वृद्धि दर देखी है। वित्त वर्ष 2023-2024 के दौरान आरआरबी ने 7571 करोड़ का अब तक का सबसे अधिक समेकित निवल लाभ प्राप्त किया है।

आरआरबी के एमएसएमई की पहुंच को और मजबूत करने के लिए सिडबी एमएसएमई ऋण विस्तार के लिए एमएसएमई ऋण हामीदारी (अंडरराइटिंग) मंच, पुनर्वित, कौशल विकास और आरआरबी के कर्मचारियों की क्षमता के निर्माण करके आरआरबी की सहायता कर रहा है।

*****